सर्वोत्तम चारा

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का नाम धन्य हो!
आइए, हम बाइबल का अध्ययन करें।

मछली पकड़ने के दो तरीके होते हैं — एक काँटे (hook) से और दूसरा जाल (net) से।

काँटे से मछली पकड़ना ऐसा तरीका है जिसमें मछलियाँ एक-एक करके फँसती हैं। इसलिए इसमें अधिक समय लगता है और परिणाम भी छोटे होते हैं। इस प्रकार के मछली पकड़ने में केवल दो चीज़ें प्रमुख होती हैं — काँटा और चारा।
चारा आमतौर पर मछली के माँस का छोटा टुकड़ा होता है, जो मछलियों को आकर्षित करता है। हर बार जब एक मछली फँसती है, तो मछुआरे को नया चारा लगाना पड़ता है। यह तरीका अच्छा है, पर परिणाम सीमित होते हैं और समय भी अधिक लगता है।

लेकिन एक और तरीका है जिसमें माँस का चारा नहीं लगता, फिर भी परिणाम बहुत बड़े होते हैं — और वह है जाल और प्रकाश (लैंप) के साथ मछली पकड़ना।

यह मछली पकड़ना अक्सर रात में होता है। मछुआरे समुद्र में

गहराई तक जाते हैं और फिर अपनी तेज़ रोशनी वाली दीयों (लैंपों) को जलाते हैं। जब वे उन्हें जलाते हैं, तो मछलियाँ उस प्रकाश से आकर्षित होकर नाव के पास आ जाती हैं और जाल में फँस जाती हैं।
परिणामस्वरूप, बहुत-सी मछलियाँ थोड़े समय में मिल जाती हैं।

यह हमें क्या सिखाता है?
प्रकाश का चारा माँस के चारे से कहीं उत्तम है।
यीशु मसीह ने हमें "मनुष्यों के मछुआरे" कहा है। (देखें मत्ती 4:19)
और यह संसार समुद्र के समान है।
जैसे मछुआरे रात में समुद्र में जाकर मछलियाँ पकड़ते हैं, वैसे ही हम भी इस अंधकारमय संसार में आत्माओं को मसीह के लिए जीतने को भेजे गए हैं — उस संसार में जहाँ लोग पाप और अंधकार में डूबे हैं, और जहाँ शैतान ने उनकी आँखों को अंधा कर दिया है ताकि वे सत्य को न देख सकें।

हमारा चारा माँस का टुकड़ा नहीं है — क्योंकि वह गहरे अंधकार में कुछ नहीं कर सकता।
हमें जिस चारे की आवश्यकता है, वह है प्रकाशमान दीपक — हमारा जीवन और हमारे अच्छे कर्म।

 मत्ती 5:14–16
"तुम संसार की ज्योति हो। जो नगर पहाड़ पर बसा है वह छिप नहीं

सकता।
लोग दीया जलाकर उसे पैमाने के नीचे नहीं रखते , परन्तु दीवट पर रखते हैं , तब वह घर के सब लोगों को प्रकाश देता है।
उसी प्रकार तुम्हारा प्रकाश मनुष्यों के सामने चमके , कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे स्वर्गीय पिता की महिमा करें। ”

जैसे रात में मछुआरों के दीपक अनेक मछलियों को आकर्षित करते हैं , वैसे ही हमारे अच्छे कर्म , जो हमारे जीवन का प्रकाश हैं , लोगों को मसीह की ओर आकर्षित करते हैं — उनसे कहीं अधिक , जितना हमारे चमत्कार , हमारी वाणी , या हमारी आत्मिक वरदान कर सकते हैं।

स्मरण रखें — सबसे उत्तम चारा हमारा प्रकाशित जीवन है।
जितना हमारा प्रकाश चमकेगा , उतनी दूर से लोग उसे देखेंगे और मसीह की ओर आकर्षित होंगे।
पर यदि हमारी रोशनी मंद पड़ जाए , तो कोई आत्मा हमारे जाल में नहीं आएगी।

 फिलिप्पियों 2:15
“कि तुम निर्दोष और निष्कपट बनो , टेढ़े और भ्रष्ट युग के बीच में परमेश्वर की सन्तान बनकर , उनके बीच में जैसे दीपक संसार में चमकते हो। ”

सर्वोत्तम चारा

तो बताइए —
क्या आपका प्रकाश इस अंधकारमय संसार में चमक रहा है?

प्रभु हमारी सहायता करे और हमें आशीष दे।

कृपया इस शुभ संदेश को दूसरों के साथ भी बाँटें।

Share on:
WhatsApp